## अध्यात्म के शिज़र पर्व पर आचार्य महाश्रमण बोले

# क्षमा कायरता का नहीं वीरों का आभूषण है

**सरदारशहर 13 सितज़्बर, 2010**

आचार्य महाश्रमण ने अध्यात्म के शिखर पर्व क्षमापना दिवस पर विशाल जनमेदनी को संबोधित करते हुए कहा कि क्षमा कायरता का नहीं वीरों का भूषण है। शक्तिशाली व्यक्ति ही किसी को क्षमा कर सकता है। कायर व्यक्ति क्षमा नहीं कर सकता। आचार्य महाश्रमण ने प्रातः सूर्योदय के साथ प्रारंभ हुए क्षमापना कार्यक्रम में सर्व साधु-साध्वियों, जैन समाज के समस्त आचार्यों, अन्य सज्प्रदायों साधु-सन्यासियों, श्रावक समाज से खमत खामणा करते हुए कहा कि हमारा सभी से भावात्मक जुड़ाव है। इस बार परम पूज्य गुरुदेव श्री महाप्रज्ञ के महाप्रयाण के बाद सभी ने उदारता का परिचय दिया। सभी के संदेश प्राप्त हुए। मैं सभी से इस महान पर्व पर खमत खामणा करता हूं।

आचार्य महाश्रमण ने आज सर्वप्रथम अपने दिवंगत गुरु आचार्य महाप्रज्ञ से क्षमा याचना की। उन्होंने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ से अंतिम समय में खमत खामणा नहीं कर सका। उनसे अनेक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त करने का काम पड़ता था। मैं साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा, मुज़्य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा से भी खमत खामणा करता हूं, इनसे भी साध्वियों, समणियों की व्यवस्था के सन्दर्भ में विचार विमर्श करने का काम पड़ता है। उस दौरान किसी प्रकार का कटु व्यवहार हो गया हो तो खमत खामणा करता हूं।

इस मौके पर साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने सर्व साध्वी समाज की ओर से आचार्य महाश्रमण से खमत खामणा किया। साधु-साध्वियों एवं श्रावक समाज ने आपस में खमत खामणा किया। खमत खामणा के दृश्य को देख सब हर्ष विभोर हो गये।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)